संदर्भ संख्या 22/7758 19 मई 09

सेवा में,
श्री वी0एन0 गर्ग, आई0ए0एस0
अधिशासी निदेशक
उद्योग बन्धु
12–सी, मालएवेन्यु लखनऊ

विषय :– प्रदेश मे कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो के विकास को त्वरित गति प्रदान करने हेतु कोर ग्रुप का गठन।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपके पत्र संख्या उ0ब0/जी0सी0/2009–10/666 दिनांक 11 मई 09 के संदर्भ में निम्नलिखित सूचना एवं सुझाव प्रस्तुत हैं :–

1. उ0प्र0 शासन द्वारा 3 मई 2003 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो के विकास हेतु कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति का गठन किया गया था। समिति के गठन का आदेश संलग्नक–क पर प्रेषित है। इस समिति द्वारा लगभग 6 महीनों तक कार्य किया। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग में सचिव महोदय के स्थानान्तरण उपरान्त इस समिति की बैठके आयोजित नही की गयी।
2. जुलाई 06 मे उ0प्र0 शासन द्वारा प्रमुख सचिव खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता मे 15 सदस्यीय प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ के गठन का उददेश्य भी प्रदेश में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो के विकास को त्वरित गति प्रदान करना था। इस प्रकोष्ठ की भी कुछ समय तक बैठके हुई परन्तु उसके उपरान्त इसकी गतिविधियॉ भी समाप्त हो गयी।
3. आई0आई0ए0 द्वारा वर्ष 2003 से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो के विकास हेतु अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किये थे जिनमे से अधिकतर प्रदेश सरकार के साथ कार्यान्वित करने की योजना थी। इनमें एक महत्वपूर्ण कार्य प्रदेश में इण्डिया फूड एक्सपो का प्रतिवर्ष आयोजन करना भी था। यह आयोजन वर्ष 2004 से वर्ष 2008 तक आई0आई0ए0 लगातार करता रहा परन्तु प्रदेश सरकार की सहभागिता में उदासीनता के चलते आई0आई0ए0 वर्ष 2009 में इसका आयोजन नही कर पाया।
4. आई0आई0ए0 के पत्र संख्या 22/7520 दिनांक 2 दिसम्बर 08 द्वारा प्रमुख सचिव खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 शासन को प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो की समीक्षा एवं स्थापना की सम्भावनाएं तलाशने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है जिसकी प्रतिलिपि आपके सुलभ संदर्भ हेतु संलग्नक –ख पर प्रेषित है।
5. आई0आई0ए0 के लगभग 550 सदस्य कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो से जुड़े है और आई0आई0ए0 में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो का एक कार्य दल भी गठित है।

अतः हमारा सुझाव है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगो की प्रगति हेतु जो भी कार्य पूर्व में प्रारम्भ किये गये थे उनको चालू रखते हुए कार्यान्वित किया जाये और जो कार्यदल/समितियॉ गठित की गयी है उन्हे भी सक्रीय किया जाये। आई0आई0ए0 इस कार्य में पूर्ण रूप से सहयोग करेगा।

धन्यवाद

भवदीय

डी0एस0 वर्मा
अधिशासी निदेशक